भा.वा.अ.शि.प.-उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (उ.व.अ.सं.),जबल पुर में एक दिवसीय राजभाषा अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

(दिनांक 04/05/2023)

भा.वा.अ.शि.प.-उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में संघ की राजभाषा नीति के अनुपालन एवं सहायक महानिदेशक, मीडिया एवं विस्तार प्रभाग, विस्तार निदेशालय, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के पत्रांक 8-7/2020/स.म.नि.(मी. व वि.) भा.वा.अ.शि.प./हि. त्रै. रि./274 दिनांक 30 जुलाई, 2021 में निहित निदेशों के अनुपालनार्थ, इस संस्थान में सेवारत वैज्ञानिक वर्ग के लिए 04 मई, 2023 को **डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक** की अध्यक्षता में ' पावर पॉइंन्ट प्रस्तुतिकरण के जरिए **एक दिवससीय राजभाषा अभिमुखिकरण कार्यक्रम'** का आयोजन किया गया।

भा.वा.अ.शि.प.-उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में
राजभाषा अभिमुखिकरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक

May 4, 2023

राजभाषा अभिमुखीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक महोदय के उद्बोधन से हुआ। निदेशक महोदय के उद्बोधन पश्चात् श्री विजयकुमार, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने पावर पॉइंन्ट प्रस्तुति के जरिए प्रतिभागियों को भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी एवं सहायक महानिदेशक मीडिया एवं विसतार प्रभाग, विस्तार निदेशालय, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून द्वारा संसूचित वार्षिक कार्यक्रम 2023-24 में उल्लिखित बिन्दुवार मदों से अवगत कराते हुए संस्थान के अधिकारक्षेत्र में आने वाले बिन्दुओं पर अमल करने हेतु अनुरोध किया।

राजभाषा अभिमुखीकरण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के साथ पावर पॉइन्ट प्रस्तुतिकरण का अवलोक करते हुए

डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक

राजभाषा अभिमुखीकरण कार्यक्रम में श्रीमती नीलू सिंह, वैज्ञानिक-जी एवं समूह समन्वयक (अनुसंधान) डॉ. फातिमा शिरिन वैज्ञानिक-जी एवं सतर्कता अधिकारी, डॉ. ननिता बेरी वैज्ञानिक-एफ एवं नोडल अधिकारी, डॉ. नसीर मोहम्मद, वैज्ञानिक-ई, श्री निखिल वर्मा, वैज्ञानिक-बी एवं डॉ. कौशल त्रिपाठी, वैज्ञानिक-बी तथा श्री अल्फ्रेड फ्रांसिस वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी आदि उपस्थित रहे। राजभाषा अभिमुखीकरण कार्यक्रम के दौरान, डॉ. राजेश कुमार मिश्रा, प्रभारी आई.टी. प्रकोष्ठ ने तकनीकी सहयोग किया।

राजभाषा अभिमुखीकरण कार्यक्रम के अंत में उपस्थित प्रतिभागियों से संस्थान में संघ की राजभाषा नीति का अनुपालन सुरिनश्चित करने तथा संस्थान के शासकीय कामकाज में राजभाषा हिन्दी का प्रगामी प्रयोग अधिकाधिक बढ़ाने के लिए प्रयास जारी रखने का अनुरोध कर सभी का अभार व्यक्त करते हुए निदेशक महोदय की अनुमति एवं अनुमोदन से राजभाषा अभिमुखीकरण कार्यक्रम का समापन किया गया।

'राष्ट्रीय व्यवहार में हिन्दी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक है'।

-- महात्मा गांधी